

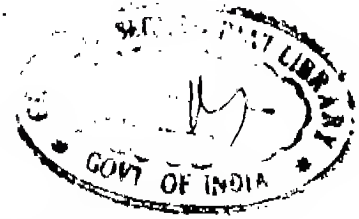


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 254]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 13, 1996/श्रावण 22, 1918

No. 254]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 13, 1996/SRAVANA 22, 1918

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1996

सा.का.नि. 362 (अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विशाखापट्टनम पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विशाखापट्टनम पत्तन न्यास कर्मचारी (भर्ती, चरिष्ठता एवं पदोन्नति) विनियम, 1996 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

अनुसूची

विशाखापट्टनम पोर्ट कर्मचारी

(भर्ती, चरिष्ठता और पदोन्नति) विनियम 1996

महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 के तहत केन्द्र सरकार के अनुमोदन की शर्त पर विशाखापट्टनम पोर्ट का न्यासी मंडल विशाखापट्टनम पोर्ट कर्मचारी, (भर्ती, चरिष्ठता और पदोन्नति) भारत के सरकारी राजपत्र दिनांक 29-2-1964 में (सा.वि.नि. सं. 324) के रूप में प्रकाशित विनियम 1964 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है।

- (क) इन विनियमों को विशाखापट्टनम पोर्ट कर्मचारी (भर्ती, चरिष्ठता और पदोन्नति) संशोधन विनियम 1996 कहा जाएगा।
- (ख) भारत राजपत्र में प्रकाशित करने की तारीख से ये विनियम लागू होंगे।

- (क) विनियम 3 के खंड (आई) में "अनुसूचित जाति" शब्द के बाद और "होना (हेव)" शब्द से पहले "होगा (शेल)" शब्द रखा जाए।
- (ख) विनियम 3 के खंड (जे) में नियुक्त किया गया (अपायंटेड) और "उस ग्रेड में" शब्दों के बीच प्रतीत शब्द "मौलिक रिक्ति के लिए" को हटा कर निम्नलिखित नोट को खंड (जे) के अंत में रखा जाए अर्थात्:

नोट:

पुष्टि (क) सामान्य:

1. किसी पदाधिकारी को सेवा में केवल एक बार ही पुष्टिकरण किया जाएगा जो एंटरी ग्रेड में होगा।
2. ग्रेड में स्थायी रिक्ति की उपलब्धता से पुष्टिकरण किया जाएगा। दूसरे शब्दों में जो अधिकारी सफलतापूर्वक परीक्षा अवधि समाप्त करता है उन्हें पुष्टि के लिए विचार किया जाएगा।

(ख) प्रारंभिक भर्ती के ग्रेड में पुष्टि:

1. फिलहाल नियुक्ति को सफलतापूर्वक परीक्षा अवधि समाप्त करना होगा।
2. मामले को (पुष्टि के लिए) विभागीय पदोन्नति समिति के सामने रखा जाएगा।
3. सभी ओर से मामला सुस्पष्ट होने पर पुष्टि के विशेष आदेश दिए जाएंगे।

(ग) पदोन्नत पर:

1. यदि भर्ती नियमों में कोई परीक्षा निर्धारित नहीं होने के कारण अधिकारी को नियमितता के आधार पर पदोन्नत करने पर (निर्धारित विभागीय पदोन्नत समिति इत्यादि कार्य विधि का अनुसरण करने के उपरांत) पुष्टि के ग्रेड में प्राप्त सभी लाभ उस अधिकारी को प्राप्त होंगे।

2. परीक्षा निर्धारित होने के मामले में परीक्षा निर्धारित करने पर नियुक्ति प्राधिकार उस अधिकारी के कार्य तथा आचरण का निर्धारण करके कि वह अधिकारी उच्च ग्रेड को संभालने लायक है, तब वह आदेश जारी करेगा कि उस व्यक्ति ने सफलतापूर्वक परीक्षा अवधि को पूरा कर लिया है। यदि नियुक्ति प्राधिकार के विचार में उस अधिकारी का कार्य संतोषजनक नहीं है या कुछ और समय तक उनके कार्य की निगरानी रखने की आवश्यकता पड़ने पर उसे उस पद या ग्रेड को प्रत्यावर्तित का सकता है जहां से वह पदोन्नति से आया है अथवा मामले के अनुसार परीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है।
- (ग) विनियम 3 के खंड (के) में "ग्रेड" शब्द के बाद और "अर्थात्" शब्द से पहले "या पद" शब्दों को रखा जाए एवं "उस ग्रेड या पद" शब्दों को खंड (के) के अंत में जोड़ा जाए।
- (घ) विनियम 3 के खंड (एम) के तहत निम्नलिखित खंडों को रखा जाए।
- (एम) "लियन" : लियन का अर्थ कर्मचारी के स्थायी पद संभालने के अधिकार से है वह बदल जाएगा। अब लियन का केवल अर्थ कर्मचारी द्वारा नियमित पद संभालने का हक/टाइटल से होगा, चाहे वह स्थायी या अस्थायी, तुरंत अथवा अनुपस्थिति की अवधि की समाप्ति पर हो। एक वर्ग में पद संभालने के हक की सुविधा का लाभ वे सभी अधिकारी उठा सकते हैं, जिनकी नियुक्ति के समय में ग्रेड में पुष्ट हो चुका है अथवा जो निर्धारण के अनुसार परीक्षा अवधि समाप्त कर उच्च पद पर पदोन्नत हो चुके हैं अथवा जो नियमित आधार पर उच्च पद पर पदोन्नत किए गए हैं जहां मामले के अनुसार नियमों के तहत परीक्षा निर्धारित नहीं की गई है। उपर्युक्त हक/अधिकार उस ग्रेड के कनिष्ठ व्यक्ति को न्यूनतम वर्ग में लौटने की शर्त पर लागू होगा।
3. विनियम 8 की उप विनियम (3) को निम्नानुसार प्रति स्थापित किया जाएगा।
 - (3) परीक्षा अवधि के दौरान, चाहे कोई भी कर्मचारी को अध्यक्ष द्वारा समय-समय पर इसके बारे में निर्धारित विभागीय प्रशिक्षण लेना चाहिए और विभागीय परीक्षाओं में पास करना होगा।
4. विनियम 9 को निम्नानुसार प्रति स्थापित किया जाएगा।
- (9) परीक्षा को संतोषजनक पूरा करना :
 1. जब कर्मचारी किसी भी वर्ग या पद पर परीक्षा पर नियुक्त होकर निर्धारित विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुआ और नियुक्ति प्राधिकारियों की संतुष्टि तक परीक्षा अवधि को पूरा किया है तो उस प्राधिकारी द्वारा यह घोषणा करते हुए एक आदेश पास किया जाएगा कि संबंधित व्यक्ति परीक्षा को विजयपूर्वक पूरा किया है। यदि नियुक्ति प्राधिकारी ऐसा विचार करता है कि अधिकारी का कार्य संतोषजनक नहीं रहा या कुछ और समय तक देखना है तो वह उसको मामले के अनुसार उस वर्ग या पद को लौट देगा जिस पद से वह पदोन्नत होकर आया था परीक्षा अवधि को विस्तार किया।
 2. विनियम के अंतर्गत कोई भी कर्मचारी अपनी परीक्षा अवधि संतोषजनक समाप्त करने की घोषणा होने या विनियम 10 के अंतर्गत कार्य मुक्त या प्रत्यावर्तित होने तक उसे परीक्षाधीन कर्मचारी माना जाएगा। ये विनियम तब तक प्रभावी होंगे जब तक उसका संशोधन या आशोधन अथवा रद्द नहीं किया जाता।
5. (क) विनियम 10 में निम्नलिखित को उप विनियम (1) के रूप में जोड़ा जाए :

"10 परीक्षा अधीन कर्मचारी को कार्य मुक्त या प्रत्यावर्तित करना" :

 - (1) कर्मचारी को अपनी परीक्षा संतोषजनक समाप्त करने की घोषणा करने से पहले पदोन्नति की पुष्टि नहीं किया जा सकता अतः उसके कार्य निष्पादन का सख्ती से जांच किया जाए तथा परीक्षा के दौरान उसका कार्य संतोषजनक नहीं होने पर उसे उस पद या ग्रेड में वापस भेजने में कोई झिझक नहीं करना चाहिए जिस पद से वह पदोन्नत होकर आया था।
 - (ख) वर्तमान उप विनियम 1, विनियम 10 के (ख) को हटाया जाए और वर्तमान उप विनियम संख्या 1, 2, 3 को 2, 3, 4 के रूप में अंकित किया जाए।
6. विनियम 13 के उप विनियम 2 के बाद निम्नलिखित उप विनियम को (3) के रूप में जोड़ा जाए :
 - (3) विकलांग व्यक्तियों के लिए निर्धारित श्रेणी 3 और 4 पदों के आरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश इन विनियमों के अंतर्गत भी नियुक्ति के लिए लागू होंगे, चाहे सीधी भर्ती या पदोन्नति द्वारा हो।
7. विनियम 16 का अंतिम पैरा निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए :

"श्रेणी 1, 2, 3 और 4 कर्मचारियों के पदोन्नति के बारे विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा अनुसरण करने वाली पद्धति के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों को यद्योचित परिवर्तन करके इन विनियमों के अंतर्गत सभी पदोन्नत के लिए लागू किया जाए"।
8. विनियम 18 के बाद निम्नलिखित विनियम को 19 के रूप में जोड़ा जाए :

19 विनियम को लागू करने में केन्द्र सरकार के नियमों का पालन इन विनियमों को लागू करने में सरकार के सभी वर्तमान अनुदेश जो इन विनियमों के किसी भी प्रावधानों के विरुद्ध नहीं हैं तथा सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी अनुदेश इसके अंतर्गत विशेष रूप से नहीं आने वाले मामले। कभी-कभी उस ग्रेड पर उपलब्ध पदों से अधिक व्यक्ति इस प्रकार के हक के लिए मौजूद होने पर अर्थात् यदि कोई व्यक्ति की पुष्टि हो गयी हो या उच्च पद पर जिसकी परीक्षा समाप्ति घोषित की गयी हो या जो ऐसे उच्च पद पर है जिसके लिए नियमित रूप से परीक्षा आवश्यक नहीं है, अथवा विदेशी सेवा से प्रत्यावर्तित किया गया है तथा उस ग्रेड में उसे रखने के लिए रिक्ति नहीं होने पर कनिष्ठता व्यक्ति को प्रत्यावर्तित किया जाएगा। जो भी हो यदि अधिकारी खुद कनिष्ठ होने पर उन्हें जिस पद से पदोन्नत किया गया उसी पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया जाएगा।
- (क) "प्रचरण पद" अर्थात् इन विनियमों के विनियम 7 के अंतर्गत घोषित पद।

वर्तमान विनियम 19 को निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाए और विनियम 20 के रूप में पुनः अंकित किया जाए।

20. निर्वचन :

इन विनियमों के निर्वचन के संबंध के कोई प्रश्न हों तो इसका निर्णय मंडल द्वारा किया जाएगा ।

[सं. पी. आर.-12016/47/94-पी.ई.-I]

अ.कु. रस्तोगी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—प्रधान विनियम भारत राजपत्र में प्रकाशित किया गया । देखें सा.वि.नि. 324 दिनांक 29-2-1964 तथा तदनुसार संशोधन किया गया । देखें :

1. आं.प्र. राजपत्र, भाग 2, दि. 28-12-1969
2. आं.प्र. राजपत्र, भाग 2, दि. 16-4-1970 एवं 30-7-1970
3. आं.प्र. राजपत्र, भाग 2, दि. 25-1-1979
4. आं.प्र. राजपत्र, भाग 2, दि. 22-3-1979
5. सा.वि.नि. संख्या 115 दि. 7-10-1980
6. आं.प्र. राजपत्र, भाग 2, दि. 3-12-1981

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th August, 1996

GSR 362(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government hereby approves the Visakhapatnam Port Trust Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Amendment Regulations, 1996 made by the Board of Trustees for the Port of Visakhapatnam and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

SCHEDULE

**VISAKHAPATNAM PORT EMPLOYEES
(RECRUITMENT SENIORITY AND PROMOTION)
AMENDMENT REGULATION, 1996**

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963, (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam hereby makes, subject to the approval of Central Government under Section 124 of the above Act, the following Regulations further to amend the Visakhapatnam Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1964 (Published as GSR No. 324) in the Official Gazette of India, dated 29-2-1964.

1. (a) These Regulations may be called the Visakhapatnam Port Employees (Recruitment, Seniority and Promotion) Amendment Regulation, 1996.
- (b) They shall come into force with effect from the date of Publication in the Gazette of India.
2. (a) In Clause (i) of Regulation 3 after the word "Scheduled Tribes" and before the word "have" the word "shall" may be inserted.
- (b) In Clause (j) of Regulation 3 the words "to a substantive vacancy" appearing between the

words "appointed" and "in that grade" shall be deleted and the following note shall be inserted at the end of Clause (j) namely ;

NOTE:—**Confirmation (A) General :**

- (i) Confirmation will be made only once in the service of an official which will be in the entry grade.
- (ii) Confirmation is delinked from the availability of Permanent vacancy in the grade. In other words, an Officer who has successfully completed the probation may be considered for confirmation.

(B) Confirmation in the grade to which initially recruited:

- (i) As at present, the appointee should satisfactorily complete the probation.
- (ii) The case will be placed before the Departmental Promotion Committee (for Confirmation).
- (iii) A specific order of confirmation will be issued when the case is cleared from all angles.

(C) On Promotion:

- (i) If the recruitment rules do not prescribe any probation, an officer promoted on regular basis (after following the prescribed Departmental Promotion Committee etc., procedure) will have all the benefits that a person confirmed in that grade would have.
- (ii) Where probation is prescribed, the appointing authority will on completion of the prescribed period of probation assess the work and conduct of the officer himself and in the case the conclusion is that the officer is fit to hold the higher grade, he will pass an order declaring that the person concerned has successfully completed the probation. If the appointing authority considers that the work of the officer has not been satisfactory or needs to be watched for some more time, he may revert him to the post or grade from which he was promoted, or extend the period of probation as the case may be.
- (c) In Clause (k) of Regulation 3 after the word "grade" and before the word "means" the words "or post" shall be inserted and the words "for that grade or post" shall be added at the end of Clause (K).
- (d) The following clauses shall be inserted under Clause (m) of Regulation 3.
- (n) "**LIEN**" The concept of lien as the title of an employee to hold substantively a permanent post will under go change. Lien will now represent only the right/title of an employee to hold a regular post, whether permanent or temporary, either immediately or on the termination of the periods of absence. The

benefits of having a lien in a grade thus be enjoyed by all officers who are confirmed in the grade of entry or who have been promoted to a higher post declared as having completed the probation where it is prescribed, or those who have been promoted on regular basis to a higher post where no probation is prescribed under the rules, as the case may be.

The above right/title will, however, be subject to the condition that the Junior most person in the grade will be liable to be reverted to the lower grade.

3. The sub-regulation (3) of Regulation 8 shall be substituted as follows :

(3) During the period of probation, any employee may be required to undergo such departmental training and to pass such departmental tests, as the Chairman may from time to time, specify in this behalf.

4. The Regulation 9 shall be substituted as follows :

9. Satisfactory completion of probation :

"(1) When an employee appointed on probation to any grade or post has passed the specified departmental tests and has completed his probation to the satisfaction of the appointing authority, an order will be passed by that authority declaring that the person concerned has successfully completed the probation. If the appointing authority considers that the work of the officer has not been satisfactory or needs to be watched for some more time, he may revert him to the post or grade from which he was promoted or extend the period of probation as the case may be.

(2) Until an employee on probation is declared satisfactorily completed his probation under the Regulation or is discharged or reverted under Regulation 10, he shall continue to have the status of an employee on probation these Regulations shall continue to be in force until they are amended, modified or cancelled."

5. (a) In Regulation 10 the following shall be added as sub-regulation (1).

10. Discharge or reversion of employees on probation :

"(1) As there will be no confirmation on promotion before an official is declared to have completed the probation satisfactorily, a rigorous screening; of his performance should be made and there should be no hesitation to revert a person to the post or grade from which he was promoted if the work of the officer during probation has not been satisfactory."

(b) The existing sub-regulation (1) (b) of Regulation 10 shall be deleted and the existing sub-regulation Nos. (1), (2) and (3) shall be renumbered as (2), (3) and (4).

6. After sub-regulation (2) of Regulation 13 the following sub-regulation shall be added as (3) :

"(3) Orders issued by the Central Government for the reservation of vacancies for physically handicapped persons in Class-III and Class-IV identified posts shall also apply to appointment covered by these Regulations whether by direct recruitment or by promotion."

7. Last para of Regulation 16 shall be substituted as follows :—

"Orders issued by the Central Government regarding the procedure to be observed by the Departmental Promotion Committee in respect of promotion for Class-I, II, III and IV employees, shall apply mutatis-mutandis to all such promotions covered by these Regulations."

8. After Regulation 18, the following Regulation shall be added as 19.

"19. Central Government Rules to be followed in the application of the Regulations.

In applying these Regulations all the existing instructions of the Government which are not contrary to any of the provisions of these Regulations and all instructions issued from time to time by the Government which cover matters not specifically covered by it. If at any time the number of persons so entitled is more than the posts available in that grade. For example, if a person who is confirmed or whose probation in a higher post has been declared as having been completed or one who is holding a higher post for which there is no probation on a regular basis, reverts from deputation or foreign service and if there is no vacancy in that grade to accommodate him, the Junior most person will be reverted. If however, this officer himself is the Junior most, he will be reverted to the next lower grade from which he was earlier promoted.

(a) "Selection Post" means a post declared as such under Regulation 7 of these Regulations."

The existing Regulation 19 shall be substituted as follows and renumbered as Regulation 20.

"20. Interpretation :

If any question arises as to the interpretation of these Regulations the same shall be decided by the Board."

[No. PR-12016/47/94-PE.I]

A.K. RASTOGI, Jt. Secy.

Foot Note:—The principal Regulations were published in the Gazette of India vide GSR No. 324, dated 29-2-64 and subsequently amended vide:

- (i) A.P. Gazette, Part-II, dated 25-12-69
- (ii) A.P. Gazette, Part-II, dated 16-4-70 & 30-7-70
- (iii) A.P. Gazette, Part-II, dated 25-01-79
- (iv) A.P. Gazette, Part-II, dated 22-03-79
- (v) G.S.R. No. 115, dated 07-10-80
- (vi) A.P. Gazette, Part-II, dated 03-12-81